उरमूल सीमान्त समिति, बज्जू

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

माहः अप्रेल 2019 से मार्च 2020 तक

उरमूल सीमान्त समिति, बज्जू

साधारण सभा बैठक (दिनांकः 22 अगस्त 2020 शनिवार)

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	गत बैठक (01 सितम्बर 2019) के सुझाव व लिये गये निर्णय	3—4
2	दिनांक 22 अगस्त 2020 को होने वाली बैठक का एजेण्डा	5
	कार्यक्रम प्रगति प्रतिवेदन	
3	आयवर्द्धन कार्यक्रम— कशीदाकारी, उद्यमिता व आर्थिक सशक्तिकरण (प्लान), केमल परियोजना, उरमूल कृषि फार्म व डेयरी	6—10
4	गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा कार्यक्रम, आरकेसीएल उरमूल स्कूल, प्रज्वला के तहत् कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा	10—12
5	स्वास्थ्य कार्यक्रम, प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल एवं विकास (ECCD), राजस्थान सामाजिक समावेशन कार्यक्रम (आर.एस.आई.पी)	12—14
6	बाल सुरक्षा कार्यक्रम, चाईल्ड हेल्पलाइन 1098	14—16
7	पानी, सफाई व स्वच्छता कार्यक्रम (WASH), सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एजुकेशन (सीईई) (वाश) कार्यक्रम	16—17
8	कोविड—19 के दौरान हुए कार्य	18
8	नेशनल लेवल मॉनिटरिंग	19
9	स्पोन्सरशिप कार्यक्रम	20—21
10	वित्तीय प्रगति विवरण	22—23

गत बैठक (01 सितम्बर 2019) के सुझाव व लिये गये निर्णय

उरमूल सीमान्त समिति, बज्जू की साधारण सभा की बैठक दिनांक 01 सितम्बर .2019 को प्रातः 01.00 बजे, उरमूल ट्रस्ट, बीकानेर ऑफिस में आयोजित की गई थी।

बैठक का एजेण्डा निम्नानुसार थाः–

1. गत बैठक की पुष्टि
2. गत बैठक में तय कार्यों पर कार्यवाही
3. कार्यक्रम की प्रगति रिपोर्ट
4. वित्तीय प्रगति
5. वर्ष 2018–19 की अंकेक्षित रिपोर्ट का अनुमोदन
6. वर्ष 2019–20 के लिये अंकेक्षक की नियुक्ति
7. टाटा सूमो गाड़ी बेचने की स्वीकृति
8. अन्य विषय, अध्यक्ष महोदय की अनुमति से

1. **गत बैठक की पुष्टि**– गत बैठक के सभी कार्यों को पढकर सुनाया गया। सभी माननीय सदस्यों द्वारा गत बैठक की पुष्टि की गई।

2. **गत बैठक में तय कार्यों पर कार्यवाही**– गत बैठक में जो कार्य तय किये गये थे, उसकी पूर्णतः अनुपालना पर सभी सदस्यों ने प्रसन्नता प्रकट की और अपनी सहमति प्रदान की।

3. **कार्यक्रम की प्रगति रिपोर्ट**– संस्था के आजीविका कार्यक्रम की प्रगति का प्रस्तुतिकरण, प्रेरणा अग्रवाल ने किया एवं आवश्यक जानकारियों से अवगत कराया। श्री सुनील लहरी ने अन्य कार्यक्रमों जैसे उरमूल फार्म, शिक्षा, आरकेसीएल, ईसीसीडी, स्वास्थ्य, राजस्थान सामाजिक समावेशन, बाल सुरक्षा, चाइल्ड हेल्पलाईन, जल, पर्यावरण व स्वच्छता व स्पोन्सरशिप कार्यक्रम का प्रस्तुतिकरण किया।

4. **संस्था की वित्तीय प्रगति–** संस्था की वित्तीय प्रगति का प्रस्तुतिकरण लेखा प्रबन्धक मनोज कुमार नाई ने किया। प्रगति रिपोर्ट की प्रस्तुति पर सभी सदस्यों ने सहमति प्रकट की।

5. **वर्ष 2018–19 की अंकेक्षित रिपोर्ट का अनुमोदन**– सभी सदस्यों द्वारा वर्ष 2018–19 की अंकेक्षित रिपोर्ट का सर्व सम्मति से अनुमोदन किया।

6. **वर्ष 2019–20 के लिये अंकेक्षक की नियुक्ति**– वर्ष 2019–20 के लिये सर्व सम्मति से पूर्व में नियुक्त ऑडिटर दैया, तिवारी एण्ड सोनी को ही जारी रखने का निर्णय लिया गया।

7. **टाटा सूमो बेचने की स्वीकृति**– बैठक में संस्था की गाड़ी टाटा सूमो को बेचने की बात रखी गई। सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से इस गाड़ी को बेचने पर स्वीकृति प्रदान की गई।

- **कार्यवाही– अभी तक टाटा सूमो की बिक्री नहीं हो पाई है।**

8. **अन्य विषय, अध्यक्ष महोदय की अनुमति से–**

- कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में वाश (पानी, पर्यावरण व स्वच्छता) कार्यक्रम का संचालन, बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर व हनुमानगढ जिलों में करने की स्वीकृति, सभी सदस्यों द्वारा प्रदान की गई।

- ■ **कार्यवाही– कार्यक्रम संचालन किया जा रहा है।**

- नागौर जिले के 14 कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में शिक्षा में गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम संचालित करने करने की स्वीकृति, सभी सदस्यों द्वारा प्रदान की गई।

- ■ **कार्यवाही– कार्यक्रम संचालन किया जा रहा है।**

- उरमूल सीमान्त समिति के 80 जी का रजिस्ट्रेशन, 2007 में समाप्त हो गया था। इस रजिस्ट्रेशन हेतु नये सिरे से कार्यवाही करनी है।

- ■ **कार्यवाही– रजिस्ट्रेशन करवा लिया है।**

- संस्था स्टाफ के ईएसआईसी को लेकर बातचीत की गई। सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि माह सितम्बर 2019 से संस्था में ईएसआईसी लागू किया जावे।

- ■ **कार्यवाही– माह सितम्बर 2019 से ईएसआईसी से लागू कर दी गई है।**

- सचिव श्री हरबंस सिंह जी का कार्यकाल, इस माह से एक साल तक बढाने का निर्णय सभी सदस्यों द्वारा सर्व सम्मति से लिया गया।

- आयवर्द्धन कार्यक्रम को उत्पादन कम्पनी की तरह रजिस्ट्रेशन करवाने व कार्य विस्तार करने का निर्णय लिया गया।

- ■ **कार्यवाही– अभी तक नहीं हो पाया है।**

- गर्ल्स नॉट ब्राइट कार्यक्रम को उरमूल सीमान्त समिति के पूरे कार्यक्षेत्र में उरमूल ट्रस्ट के साथ मिलकर किये जाने का निर्णय लिया गया।

- ■ **कार्यवाही– मिलकर कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।**

दिनांक 22 अगस्त 2020 को होने वाली बैठक का एजेण्डा

1. गत बैठक की पुष्टि
2. गत बैठक में तय कार्यों पर कार्यवाही
3. परिपत्र प्रस्ताव की पुष्टि
4. कार्यक्रम प्रगति रिपोर्ट
5. कोरोना के दौरान किये गये कार्य
6. वित्तीय प्रगति
7. वर्ष 2020–21 के लिये अंकेक्षक की नियुक्ति
8. एफसीआरए खाते में ब्याज राशि का उपयोग
9. सचिव श्री हरबंस सिंह की बीमारी के हालात पर चर्चा
10. सचिव पद पर नियुक्ति पर विचार
11. बैंक खातों के संचालन के लिये हस्ताक्षरों के अधिकार पर निर्णय
12. भारत सरकार के एमएसएमई प्रोजेक्ट की प्रस्तुति
13. प्रोजेक्ट के प्रबन्धन के लिये गाइड लाइन के अनुसार कमेटी गठन एवं आर्टिजन के 2 प्रतिनिधियों को प्रबन्ध मण्डल में सदस्य बनाना
14. उरमूल सीमान्त में नये सदस्य बनाना
15. ऊंट परियोजना पर प्रस्तुति
16. संस्थान के बज्जू परिसर में विकास एवं नव निर्माण पर प्रस्तुति
17. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से

कार्यक्रम प्रगति रिपोर्ट

कशीदाकारी आधारित आजीविका कार्यक्रम

आजीविका टीम द्वारा बज्जू में क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, जिनमें एक कशीदाकारी कार्यक्रम है। कार्यक्रम का मुख्य उद्येश्य बीकानेर जिले के कोलायत व खाजूवाला ब्लॉक के ग्रामीण समुदाय को सम्मानजनक रूप से स्थाई रोजगार व स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाकर आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्त करना है। वर्ष 2018 में जैविक खेती, वर्मी कम्पोस्ट, डेयरी व इसूजू कार जैसे आजीविका के कार्यक्रमों को भी प्रारम्भ किया गया है।

आईजीपी का वित्तीय विवरण– दिनांक 01 अप्रेल 2019 से 31 मार्च 2020 तक का क्राफ्ट यूनिट और इसके माध्यम से संचालित उद्यमोां का वित्तीय विवरण निम्नानुसार हैः–

क्र.सं.	विवरण	2017-18	2018-19	2019-20
1.	कुल बिक्री	53,34,843	95,69,020	52,85,446.00
2.	माल वापसी	17,135	29,67,276	3,69,391
3.	यूनिट की कुल बिक्री	**53,17,708**	**66,01,744**	**49,16,055**
4.	ऑर्डर मिले	14,41,871	42,93,295	45,82,504
5.	यूनिट का कुल व्यय	**39,14,959**	**61,29,155**	**61,55,304**
6.	कुल प्रारम्भिक देनदार	6,38,582	18,77,972	12,80,071
7.	कुल अन्तिम देनदार	7,86,625	12,81,706	14,71,839

इस साल बी 2 बी आर्डर पर भी जोर दिया गया है जिन पार्टियों के नाम इस प्रकार हैं–

क्र.सं.	पार्टीका नाम	आर्डर रकम
1	रंगसूत्रा क्राफ्ट इण्डिया लिमिटेड	22,02,489.00
2	स्वदेशी वीव्ज क्राफ्ट	47,650.00
3	गांधी समृति दर्शन समिति	1,50,300.00
4	अभिव्यक्ति शोरूम	2,13,686.00
5	ओखाई सेन्टर फोर एमपावरमेंट	21,24,283.00
6	आर. ए. स्टूडियो	57,782.00
	TOTAL	**47,96,190.00**

IGP के देनदारों की सूची इस प्रकार है

क्र.सं.	विविध देनदार	राशि
1	Aarna Lingerie Studio	37,280.00
2	Caballo De Carreras	19,227.00
3	धर्मेंद्र कुमार पुत्र श्री सांगाराम	55,270.00
4	गांधी स्मृति दर्शन समिति	76,300.00
5	मीनार इन्टरनेशनल कोट्टायम	3,72,426.80
6	ओखाई सेन्टर फोर एमपावरमेंट	3,35,508.00
7	रंगसूत्रा क्राफ्ट इण्डिया लिमिटेड	4,24,818.24
8	आर. ए. स्टूडियो (ऋतु अग्निहोत्री)	60,480.00
9	ऋतु अग्निहोत्री	48,414.10
10	शेखर गुट्टानी (इमली)	4290.00
11	रूई इण्डिया	26,762.00
	Total	**14,60,776.14**

आईजीपी को इन लोगों को भी भुगतान करना हैः–

Sr. No.	Sundry Creditors	Amount
1	डेजर्ट क्राफ्ट ट्रस्ट	2,16,993.00
2	तंवर कम्प्यूटर आर्ट	0
3	मदुरा कॉट्स प्रा. लि.	58,573.00
4	रंगसूत्रा दुनिया प्रॉड्यूसर कम्पनी	0
5	स्पीड प्रो कोरियर एण्ड कार्गो	0
	Total	**2,75,566.00**

Urmul Crafts Programme – COVID crisis management:

कोविड–19 महामारी

❖ Livelihood though Mask stitching:

कोविड–19 महामारी के दौरान माह मार्च 2020 में संस्था के कार्यक्षेत्र में स्पोन्सर्ड परिवारों सहित ग्रामीणों को मास्क उपलब्ध करवाये गये। गांवों के किशोरी प्रेरणा मंचों व स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को मास्क सिलाई कार्य से जोड़ा गया और इस प्रकार 12000 से ज्यादा मास्क तैयार किये गये। इससे इन बालिकाओं व महिलाओं को लॉकडाउन के दौरान आय प्राप्त हुई। यह कार्य लगातार चल रहा है।

प्लान के सहयोग से आजीविका गतिविधियों का विवरण

क्र.सं	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी	स्पोन्सर्ड
1	**स्पोन्सर्ड ड्रॉपआउट बालिकाओं के लिये कौशल एवं उद्यमिता विकास प्रशिक्षण**			
ए	बालिकाओं के साथ 10 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण	5	81	81
बी	बालिकाओं के साथ 7 दिवसीय टाई एण्ड डाई प्रशिक्षण	1	9	9
सी	बालिकाओं के साथ माइक्रो डोरी (क्रोशिया) प्रशिक्षण	1	4	4
डी	बालकों के साथ 15 दिवसीय मोटरसाइकिल मरम्मत प्रशिक्षण	1	21	21
ई	बालकों के साथ 10 दिवसीय लाईट फिटिंग प्रशिक्षण	1	10	10

❖ स्पोन्सर्ड ड्रॉपआउट बालिकाओं के लिये कौशल एवं उद्यमिता विकास प्रशिक्षण

(ए) बालिकाओं के साथ 10 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण– माह दिसम्बर 2019 से मार्च 2020 के दौरान 94 स्पोन्सर्ड ड्रॉपआउट बालिकाओं के साथ आयोजित 10 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षणों में सिलाई में डिजाइन, कटिंग व ग्रामीण परिवेश के अनुकूल महिलाओं के पहने जाने वाले कपड़ों की सिलाई आदि सिखाई गई। इन प्रशिक्षणों में जन शिक्षण संस्थान व उरमूल सीमान्त से प्रशिक्षित स्थानीय ग्रामीण दक्ष प्रशिक्षिकाओं की सेवायें ली गई।

(बी) बालिकाओं के साथ 7 दिवसीय टाई एण्ड डाई प्रशिक्षण– बालिकाओं के कौशल विकास के उद्येश्य से 9 स्पोन्सर्ड ड्रॉपआउट बालिकाओं के साथ 7 दिन प्रशिक्षण दिया। बालिकाओं को बाजार की मांग व डिजाइनों के अनुसार चुन्नी दुपट्टा, रूमाल आदि पर कंकर, मोठ, गेहूं व धान की गांठें लगाने का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा रंगों के इस्तेमाल के बारे में सिखाया गया।

(सी) बालिकाओं के साथ माइक्रो डोरी (क्रोशिया) प्रशिक्षण– मण्डाल चारणान गांव में यह प्रशिक्षण 4 स्पोन्सर्ड ड्रॉपआउट बालिकाओं के साथ आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में गांव की दक्ष प्रशिक्षिका ने डोरी से विभिन्न प्रकार के लटकन, पर्स आदि बनाना सिखाया।

(डी) बालकों के साथ 15 दिवसीय मोटरसाइकिल मरम्मत प्रशिक्षण– संस्था परिसर में स्पोन्सर्ड ड्रॉपआउट 21 बालकों के साथ यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें मोटरसाइकिल मरम्मत, औजारों की जानकारी, ऑयल–सर्विसिंग आदि सिखाया गया। इस प्रशिक्षण में भी बज्जू के हीरो होण्डा की एजेन्सी में कार्यरत दक्ष प्रशिक्षक की सेवायें ली गई।

(ई) बालकों के साथ 10 दिवसीय लाईट फिटिंग प्रशिक्षण– स्पोन्सर्ड ड्रॉपआउट बालकों के साथ कौशल एवं उद्यमिता विकास के तहत् 10 दिवसीय लाईट फिटिंग प्रशिक्षण, संस्था के बज्जू परिसर में रखा गया। प्रशिक्षण में स्थानीय दक्ष प्रशिक्षक द्वारा घरेलू लाईट फिटिंग, बिजली फिटिंग में काम आने वाले औजार, बिजली उपकरण, फेस व फिटिंग के दौरान ध्यान में रखी जाने वाली सावधानियों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

द केमल पार्टनरशिप परियोजना

परियोजना का परिचय– एक पूर्ण उद्यम को विकसित करने की प्रक्रिया में द केमल पार्टनरशिप का उद्येश्य, ऊंटपालक समुदाय के ज्ञान एवं क्षमताओं को जुटाना है। इस परियोजना के माध्यम से ऊंटपालकों की आजीविका के लिये एक समावेशी, जवाबदेही व स्थाई उद्यम पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहन देना चाहते हैं। यह परियोजना सहजीवन के सहयोग से माह नवम्बर 2019 में बज्जू क्लस्टर में प्रारम्भ हुई। माह फरवरी 2020 से जोधपुर जिले के बाप ब्लॉक में चिमाणा क्लस्टर में भी परियोजना का कार्य प्रारम्भ किया गया।

परियोजना के तहत् की गई गतिविधियां–

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी परिवार
1	सर्वेक्षण कार्य	15	658
2	ऊंटपालकों के साथ बैठकें	12	410
3	फैडरेशन गठन के लिये ऊंटपालकों के साथ ग्राम एवं क्लस्टर स्तरीय बैठक	1	25
4	ऊंट टीकाकरण शिविर	24	217
5	राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर के सहयोग से कार्यशाला	1	20

- **बेसलाइन सर्वे**– माह नवम्बर 2019 से मार्च 2020 के दौरान का बेसलाइन सर्वे कार्य किया गया। सर्वे में ऊंटपालकों के परिवारों की वर्तमान स्थिति के आंकड़े एकत्र किये गये। इनमें मुख्य रूप से उनकी ऊंटपालन आधारित आजीविका, बच्चों की शिक्षा व पशुओं की चिकित्सा व्यवस्था आदि जानकारियों का संकलन किया गया।

- **ऊंटपालकों के साथ बैठकें–** बैठकों में उद्यम स्तर पर ऊंटनी के दूध का कुशलता के साथ संग्रहण व प्रबन्धन के सम्बन्ध में ऊंटपालकों से बातचीत की गई व एक साझा समझ बनाने के प्रयास किये गये। इसके अलावा बैठकों में ऊंटों में होने वाली बीमारियों व उनके उपचार के बारे में चर्चा की गई।

- **फैडरेशन गठन के लिये ऊंटपालकों के साथ ग्राम एवं क्लस्टर स्तरीय बैठक–** ऊंटपालकों को एक संगठन से जोड़कर आय संवर्द्धन एवं सरकारी योजनाओं का लाभ सहित अपने परिवारों के समेकित विकास के प्रति समझ विकसित करने के उद्येश्य से फैडरेशन गठन हेतु बैठक आयोजित की गई।

- **ऊंट टीकाकरण शिविर–** बीकानेर के कोलायत ब्लॉक व जोधपुर जिले के बाप ब्लॉक में पशुपालन विभाग के सहयोग से कुल 24 टीकाकरण शिविर आयोजित किये गये। इन शिविरों में ऊंटों में मुख्य रूप से खुजली जैसी बीमारी व अन्य रोगों के लिये टीकाकरण किया गया। शिविर में कुल 2164 ऊंटों का टीकाकरण किया गया।

- **राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर के सहयोग से कार्यशाला–** परियोजना के अन्तर्गत ऊंटपालकों के लिये बीकानेर में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में ऊंटपालकों को ऊंटों के उचित रखरखाव, बीमारियों के लक्षण व उपचार और ऊंटनी के दूध के माध्यम से उद्यमशीलता के बारे में जानकारी दी गई।

परियोजना के अपेक्षित परिणाम–

- ❖ ऊंटपालकों की आधारभूत जरूरतों को लेकर एक उत्तरदायी नीति निर्माण का वातावरण विकसित होगा।
- ❖ ऊंटपालक समुदाय संगठित होगा व उन तक आवश्यक स्वास्थ्य व अन्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित हो पायेगी।
- ❖ ऊंटनी के दूध के सामाजिक उद्यम के माध्यम से इन परिवारों के लिसे एक सतत् आजीविका सुनिश्चित होगी।
- ❖ बेसलाइन सर्वे के द्वारा ऊंटपालकों की वर्तमान स्थिति का सही आकलन होगा।

उरमूल कृषि फार्म

उरमूल कृषि फार्म के माध्यम से बीकानेर जिले के नहरी व बारानी क्षेत्र के किसानों को वर्मी कम्पोस्ट, अजोला घास, कम पानी में होने वाली सब्जियों व फलदार पौधों की खेती को प्रदर्शन के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है। वर्तमान में उरमूल कृषि फार्म में 78 ऑवला, 47 नींबू, 96 कीनू, 31 अनार, 36 गुन्दा, 16 मेहन्दी, 7 बेर, व 435 मोरिंगा के पौधे जीवित है।

- ➢ फार्म में जो 5 खेळियों में अजोला घास तैयार हो रही हैं। केम्पस में अजोला की 3 खेळियों के अलावा गायों के छपरे के पास भी एक और यूनिट तैयार की गई है, जिनमें अजोला का उत्पादन करके गायों को खिलाया जा रहा है।
- ➢ उरमूल फार्म में वर्तमान में राठी नस्ल के कुल 19 पशु हैं, जिनमें 7 गाय व 12 बछड़े बछड़ियां हैं। गायों के गोबर से वर्मी कम्पोस्ट व गोमूत्र से खेती के लिये कीटनाशक तैयार किया जा रहा है। वर्तमान में इन गायों में से 3 गाय करीब 20 किलो दूध दे रही हैं।
- ➢ माह अगस्त 2019 में संस्था परिसर में बायो गैस का संयंत्र का कार्य शुरू किया गया। वर्तमान में इस संयंत्र के माध्यम से बायो गैस निर्मित की जा रही है और मेस में काम में ली जा रही है।
- ➢ जैविक विधि से विभिन्न प्रकार के बीज तैयार किये गये जैसे बैंगन, टमाटर, गेहूं, ग्वार व सहजन आदि।

गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी	स्पोन्सर लाभार्थी
1	स्पोन्सर्ड ड्रॉपआउट बच्चों का शाला में पुनः प्रवेश	21	45	45
2	स्पोन्सर्ड ड्रॉपआउट बच्चों को ओपन स्कूल से जोड़ना	26	58	58
3	बाला स्कूलों में पेन्टिंग कार्य	10	2226	393
4	रीडिंग केम्पेन	24	128	78
5	शाला प्रबन्धन समिति की बैठकें	71	1136	62

- ❖ **स्पोन्सर्ड ड्रॉपआउट बच्चों का शाला में पुनः प्रवेश–** सत्र के दौरान कुल 45 स्पोन्सर्ड ड्रॉपआउट बच्चों को विभिन्न कक्षाओं में पुनः प्रवेश दिलाया गया। इससे पहले घरों में बच्चों के अभिभावकों से सम्पर्क किया गया और शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।
- ❖ **स्पोन्सर्ड ड्रॉपआउट बच्चों को ओपन स्कूल से जोड़ना–** जो 58 स्पोन्सर्ड ड्रॉपआउट बच्चे बीच में अपनी पढाई छोड़ चुके थे, उनको विभिन्न कक्षाओं के लिये ओपन स्कूलों से जोड़ा गया। ओपन स्कूल की फीस की व्यवस्था प्लान इण्डिया व भामाशाहों के सहयोग से की गई।

❖ **बाला स्कूलों में पेन्टिंग कार्य**– परियोजना क्षेत्र के 10 स्कूलों में बाला (Building and learning Aid) के तहत् पेन्टिंग कार्य करवाया गया। इनमें स्कूल का पाठ्यक्रम, नक्शे, जानवरों, पक्षियों आदि के चित्रों आदि की पेन्टिंग करवाई गई ताकि स्कूलों में शिक्षा के वातावरण निर्माण, बच्चों को स्कूलों से जोड़ने व शिक्षा की अवधारणा के बारे में समुदाय को जागरूक किया जा सके।

❖ **रीडिंग केम्पेन**– यह एक ऐसी गतिविधि है, जिसके माध्यम से बच्चों में पढने, लिखने व समझने का कौशल विकसित किया जा सकता है। इसके तहत् स्कूलों के पुस्तकालयों में विभिन्न प्रकार की ज्ञानवर्द्धक पुस्तकें भी उपलब्ध करवाई गई। यह गतिविधि, परियोजना क्षेत्र के 24 स्कूलों में आयोजित की गई। इस गतिविधि के बाद विभिन्न स्कूलों के 20 छात्र–छात्रायें स्टेट लिचरेटर फेस्टिवल एवं इनमें ये 5 छात्राओं ने नेशनल लिचरेटर फेस्टीवल में भाग लिया।

❖ **शाला प्रबंधन समिति बैठकें:** उरमूल सीमांत समिति व प्लान इंडिया के सहयोग से शाला प्रबंधन समिति की बैठकों का आयोजन शिक्षा विभाग के साथ मिलकर किया गया। इन बैठकों में अर्द्धवार्षिक परीक्षा, स्कूलों में बच्चों का ठहरावयुक्त नामांकन व भौतिक उपस्थिति, स्पोंसर छात्र–छात्राओं का शैक्षिक उन्नयन और सरकार की योजनाओं के बारे में भी बातचीत की गई ताकि छात्र छात्राओं में सरकारी स्कूलों के प्रति रुचि पैदा की जा सके और कोई भी छात्र–छात्रा शिक्षा से वंचित नहीं रहे।

उरमूल स्कूल– बज्जू

कक्षा	बालक	बालिका	योग
नर्सरी	4	8	12
एलकेजी	8	6	14
यूकेजी	4	5	9
1	3	0	3
2	7	3	10
3	6	2	8
4	3	2	5
5	0	1	1
6	0	2	2
7	1	4	5
8	0	0	0
योग	**36**	**33**	**69**

❖ इस सत्र में सभी कक्षाओं के बच्चों ने 50 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये। इनमें 7वीं कक्षा की भूमिका सिंह पूरी स्कूल में प्रथम रही। नर्सरी में पूजा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, इसके अलावा एलकेजी में ओजस पारीक, यूकेजी में पूनम व काजल, पहली में रामपाल, दूसरी में श्रवण बेनीवाल, तीसरी में भूमिका सिंह पुत्री निशा चौहान, चौथी में उरमा बेनीवाल, पांचवीं में रेखा, छठी में कुमता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

❖ स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से स्कूल के सभी बच्चों को खसरा के टीके लगवाये गये और पल्स पोलियो व विटामिन–ए की दवा पिलाई गई।

आरकेसीएल

क्र.सं.	विवरण	लड़के	लड़कियां	योग
1	आर.के.सी.एल में नये प्रवेश	4	4	8
2	परीक्षा में पास होने वाले लर्नर की संख्या	3	0	3
3	आगामी परीक्षा में बैठने वाले लर्नर	5	4	9

प्रज्वला परियोजना– गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा

क्र.सं.	विवरण	लाभार्थी
1	दहाई मे दहाई का गुणा बंटन विधि द्वारा पर कम समझ	1400
2	गुणन पर पुख्ता समझ बनाना	1400
3	ऑनलाईन व ऑफलाईन शिक्षण प्रकिया के बारे मे बातचीत	1400
4	किताब द्वारा उपसमुह में गतिविधि आधारित शिक्षण कार्य	1400

प्रज्वला परियोजना के तहत् नागौर जिले के 14 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा हेतु कार्य की जिम्मेदारी, संस्था को सौंपी गई है। यह कार्य सितम्बर 2019 से प्रारमी किया गया है। पूरे कार्यक्रम के समन्वयन के लिये जोनल कॉर्डिनेटर व प्रत्येक कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में दो दो वॉण्टियर्स की नियुक्ति की गई है।

प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल एवं विकास कार्यक्रम (ईसीसीडी)

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी	स्पोन्सर्ड लाभार्थी
1	अभिभावक विकास समूहों का गठन व बैठकें	50	750	212
2	आंगनबाड़ी केन्द्रों पर शिक्षण सामग्री, खिलौनों, वजन मशीनों व फर्नीचर का वितरण	10	1000	354

1. **अभिभावक विकास समूहों का गठन व बैठकें**– माह नवम्बर 2019 से मार्च 2020 के दौरान अभिभावक विकास समूहों की कुल 50 बैठकें आयोजित की गई। इनमें से 20 समूह पहले से संचालित थे, 30 नये विकास समूह गठित किये गये। बैठकों में बच्चों की वृद्धि एवं विकास के बारे में बात की गई। उन्हें जानकारी दी गई कि बच्चों के विकास की प्रक्रिया सतत् चलती रहती है। बच्चों के चरणबद्ध व आयु के अनुसार होने वाले विकास के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों के लालन पालन में माता व पिता दोनों की जिम्मेदारी होती है। बच्चों में होने वाली 6 जानलेवा बीमारियों से बचाने के लिये आवश्यक टीकाकरण, नियमित वजन निगरानी, शाला पूर्व शिक्षा व पोषण आदि सेवायें बच्चों को नियमित रूप से मिलें, इसके लिये माता पिता दोनों मिलकर इस जिम्मेदारी को निभायें।
2. **आंगनबाड़ी केन्द्रों पर शिक्षण सामग्री, खिलौनों, वजन मशीनों व फर्नीचर का वितरण**– परियोजना क्षेत्र के 10 आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक विकास के लिये प्लान इण्डिया के सहयोग से वजन मशीनें, फर्नीचर्स, खिलौने आदि वितरित किये गये।

स्वास्थ्य कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी	स्पोंसर परिवार
1.	गैर संचारित रोग विषयक प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	1	7	0
2.	किशोरियों व युवा महिलाओं के साथ गैर संचारित रोग विषयक 3 दिवसीय प्रशिक्षण	2	80	30
3.	माहवारी स्वच्छता प्रबन्धन विषयक 3 दिवसीय प्रशिक्षण	2	60	16
4.	गैर संचारित रोग विषय पर आउटरीच गतिविधियां	50	10034	385
5.	माहवारी स्वच्छता दिवस पर वेबीनार	1	114	15
6.	माहवारी स्वच्छता प्रबन्धन विषय पर आउटरीच गतिविधियां	1	2001	235

1. **गैर संचारित रोग विषयक प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण**— गैर संचारित रोगों के प्रति सामुदायिक संगठनों के सदस्यों की समझ बनाने व उनको प्रशिक्षित करने के उद्येश्य से पीयू स्टाफ का 2 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। उरमूल सेतु संस्थान, लूनकरणसर में आयोजित इस प्रशिक्षण में बज्जू के 7 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण में प्लान इण्डिया के डॉ. मोहित ने गैर संचारित रोगों के लक्षण, जंक फूड, स्वास्थ्य पर तम्बाकू सेवन का प्रभाव, शराब के सेवन से स्वास्थ्य सम्बन्धित समस्याओं, संतुलित व असंतुलित आहार, पौष्टिक आहार, पोषण की मूलभूत बातों व शारीरिक गतिविधियों के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण दिया।
2. **किशोरियों व युवा महिलाओं के साथ गैर संचारित रोग विषयक 3 दिवसीय प्रशिक्षण**— परियोजना क्षेत्र की किशोरी बालिकाओं एवं युवतियों को संस्था के प्रशिक्षकों द्वारा गैर संचारित रोगों के बारे में 3 दिवसीय 2 प्रशिक्षण आयोजित किये गये। प्रशिक्षणों में गैर संचारित रोगों के लक्षण, जंक फूड, स्वास्थ्य पर तम्बाकू सेवन का प्रभाव, शराब के सेवन से स्वास्थ्य सम्बन्धित समस्याओं, संतुलित व असंतुलित आहार, पौष्टिक आहार, पोषण की मूलभूत बातों व शारीरिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।
3. **माहवारी स्वच्छता प्रबन्धन विषयक 3 दिवसीय प्रशिक्षण**— परियोजना क्षेत्र की 60 किशोरियों व युवतियों के साथ माहवारी स्वच्छता प्रबन्धन पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में संभागियों को माहवारी के दौरान ध्यान रखी जाने वाली सावधानियों, अनियमित माहवारी, साफ सफाई, सेनेटरी नेपकिन का उपयोग, सेनेटरी नेपकिन घर पर ही तैयार करने आदि के बारे में जानकारी दी गई।
4. **गैर संचारित रोग विषय पर आउटरीच गतिविधियां**— गैर संचारित रोगों के बारे में गांव की अन्य किशोरियों व युवतियों को जानकारी देने के लिये किशोरियों ने परियोजना क्षेत्र की कुल 10034 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशाओं, महिला समूहों, बालिकाओं व महिलाओं तक, प्रशिक्षण में सीखी जानकारियां पहुंचाई।
5. **माहवारी स्वच्छता दिवस पर वेबीनार**— कोविड—19 के चलते 28 मई 2020 को माहवारी दिवस नहीं आयोजित किया जा सका, इसलिये संस्था द्वारा राज्य स्तरीय वेबिनार के माध्यम से राज्य की 114 ग्रामीण बालिकाओं व महिलाओं के साथ गहन चर्चा की गई। वेबिनार में गृह महाविद्यालय, बीकानेर से डॉ. विमला डुकवाल, सेन्टर फोर एनवायरमेंटल एक्जूकेशन (सीईई), चाइल्डलाईन, स्वास्थ्य विभाग, प्लान इण्डिया, दिल्ली व जयपुर आदि के विशेषज्ञों ने विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।
6. **माहवारी स्वच्छता प्रबन्धन विषय पर आउटरीच गतिविधियां**— माहवारी के बारे में गांव की अन्य किशोरियों व युवतियों को जानकारी देने के लिये किशोरी प्रेरणा मंचों की किशोरियों ने परियोजना क्षेत्र की कुल 2001 बालिकाओं व महिलाओं तक, प्रशिक्षण में सीखी जानकारियां पहुंचाई।

राजस्थान सामाजिक समावेश कार्यक्रम (आर.एस.आई.पी)

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी	स्पोंसर परिवार
1.	विकलांग अधिकार मंच में दिव्यांगों को जोड़ना	1	294	0
2.	विकलांग अधिकार अधिनियम 2016 का प्रशिक्षण	1	294	0
3.	दिव्यांग लोगों को आजीविका से जोड़ना व स्वरोजगार शुरू कराना	2	19	0
4.	आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम की जानकारी देना	21	21	0
5.	विकलांग अधिकार मंच की ब्लॅाक स्तरीय बैठकें	8	130	0
6.	मेडिकल प्रमाणपत्र	12	12	0
7	रेल पास	1	1	0
8	बस पास	9	9	0
9	विकलांग लोगों की पेन्शन शुरू करवाना	22	22	0
10	मुख्यमंत्री स्वरोजगार ऋण दिलवाना	1	1	0
11	विकलांग लोगों के 6 स्वयं सहायता समूहों को व्यवसाय से जोड़ना	2	27	0

बाल सुरक्षा कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी	स्पोन्सर्ड लाभार्थी
1	15 दिवसीय नाट्य कौशल प्रशिक्षण	1	25	13
2	परियोजना क्षेत्र के गांवों में नाट्य कौशल प्रदर्शन	63	14712	737
3	अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर टेकओवर कार्यक्रम	10	10	5
4	किशोरी प्रेरणा मंच बैठकें	63	780	115
5	किशोर मंच बैठकें	63	780	120
6	शाला प्रबन्धन समिति बैठकें	52	1278	108
7	मुख्य हितग्राहियों के साथ बाल विवाह रोकथाम पर ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला	1	44	11

1. **15 दिवसीय नाट्य कौशल प्रशिक्षण**– बाल सुरक्षा के मुद्दों पर कार्यक्षेत्र के गांवों की 25 किशोरियों के साथ संस्था परिसर में नाट्य कौशल प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
2. **परियोजना क्षेत्र के गांवों में नाट्य कौशल प्रदर्शन–** परियोजना क्षेत्र के 63 गांवों की मिडिल व उच्च माध्यमिक स्तर की स्कूलों में नाट्य कौशल प्रशिक्षण आयोजित किये गये। इसके दौरान प्रशिक्षित बालिकाओं ने बाल विवाह, बाल अधिकार, गुड टच व बैड टच विषयों पर नाट्य मंचन के माध्यम से बालिकाओं व गांव के लोगों को प्रेरित किया गया।
3. **अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर टेकओवर कार्यक्रम**– 11 अक्टूबर 2019 को अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर परियोजना क्षेत्र की 10 स्कूलों में टेकओवर कार्यक्रम आयोजित किया गया। गांव के सीनियर स्कूलों की स्कूली बालिकाओं के साथ ग्राम पंचायतों द्वारा विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया, जिनमें मंच की बालिकाओं ने पंचायत, स्कूल व समुदाय स्तर पर बालिकाओं से सम्बन्धित मुद्दों जैसे बाल विवाह, बालिका शिक्षा, स्कूल में चेंजिंग रूम जैसे विषयों पर प्रस्ताव पारित किये।
4. **किशोरी प्रेरणा मंच बैठकें**– माह सितम्बर 2019 से मार्च 2020 के दौरान किशोरी प्रेरणा मंचों की बैठकों में बालिकाओं से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों– जिनके कारण बालिकाओं को आगे बढने में अवरोध पैदा करते हैं, जिसमें मुख्य रूप से बालिका शिक्षा, सामाजिक लिंग भेद व कौशल विकास मुख्य रूप से हैं। बालिकाओं के लिये कौशल विकास की महत्ता बताते हुए अपना कैरियर बनाने के लिये प्रेरित किया गया।
5. **किशोर मंच बैठकें**– किशोर मंच की बैठकों में बाल अधिकार, बाल श्रम, पोक्सो कानून व स्कूलों से सम्बन्धित मुद्दों पर समझ बनाई गई।
6. **ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समिति एवं शाला प्रबन्धन समिति की संयुक्त बैठकें**: बैठकों में बाल अधिकार, बाल सुरक्षा, बालिका शिक्षा, स्कूल से वंचित व ड्रॉपआउट, बाल विवाह, बाल मजदूरी व ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समिति व ग्राम पंचायत स्तरीय बाल सुरक्षा समिति मे बेहतर समन्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके अलावा चाइल्ड हेल्पलाईन 1098 के बारे में बताया गया कि भटके हुए बच्चों, गुमशुदा बच्चों, किसी भी प्रकार की शारीरिक, मानसिक प्रताड़ना आदि के लिये इस हैल्पलाईन का उपयोग किया जा सकता है। 8वीं या 10वीं के बाद बीच में पढाई छोड़ देने वाली बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिये प्रेरित करके समितियां अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकती हैं।

7. **मुख्य हितग्राहियों के साथ बाल विवाह रोकथाम पर ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला**– 17 मार्च 2020 को बज्जू में मुख्य हितग्रहियों के साथ आयोजित ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला में बाल विवाह रोकने के लिये गहन चर्चा की गई। कार्यशाला में बज्जू के उपखण्ड अधिकारी श्री अभिषेक सुराणा की अध्यक्षता में मुख्य हितग्राहियों ने अपने विचार रखे कि समाज मे जो बाल विवाह जैसी कुप्रथा है, उसको जड़ से समाप्त करने के लिय सरकार, संस्था व समुदाय को मिलकर कार्य करना पड़ेगा ताकि समाज में एक ठोस संदेश जाये कि यदि किसी ने बाल विवाह करवाने मे सहयोग किया या शामिल हुआ तो उसका सामाजिक बहिष्कार किया जायेगा और कानूनी कार्यवाही भी अमल में लाई जायेगी। अपने गांव को बाल विवाह मुक्त घोषित करने के लिये जो कार्य किये जाने आवश्यक है, उनके बारे में भी चर्चा हुई।

चाइल्ड हेल्पलाईन 1098

माह अप्रेल 2019 से मार्च 2020 के दौरान चाइल्ड लाईन के तहत 47 गांवों में समुदाय के सभी वर्ग के लोगों के साथ सत्र लिये गये जिसमें 28 गांव प्लान कार्यक्षेत्र के थे तथा 19 गांव नोन प्लान क्षेत्र से थे। इन गांवों में बच्चों को 1098 पर कॉल कराने का डेमो भी किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 11434 लोगों को चाइल्ड लाईन 1098 के बारे में जानकारी मिली।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1	स्कूल सत्र	47	9400
2	सामुदायिक संगठनों के साथ बैठकें	2	101
3	युवाओं के साथ जेजे एक्ट के बारे में सत्र	6	217
4	ग्राम पंचायतों बैठकों में चाइल्ड लाईन सत्र	20	288
5	स्कूलों में चाइल्ड राइट्स क्लबों की बैठकें	12	213
6	किशोरी बालिकाओं के साथ सत्र	30	495
7	चाइल्ड लाइन से दोस्ती सप्ताह	7	545
8	किशोर मंच के साथ बैठक	12	175

1. **स्कूल सत्रः** चाइल्ड लाईन के बारे में स्कूली छात्र छात्राओं को जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से कुल 47 सत्र लिये गये। सत्रों में बाल अधिकारों व शिक्षा की गुणवत्ता पर भी बात की गई।
2. **सामुदायिक संगठनों के साथ बैठकें:** चाइल्ड लाईन के बारे में समुदाय को जागरूक करने के उद्देश्य से 2 सामुदायिक संगठनों के साथ बैठकें की गई। बैठकों में इसके अलावा बाल विवाह व बाल मजदूरी विषयों पर भी चर्चा की गई व इनके लिये बने हुए कानूनों के बारे में जानकारी दी गई।
3. **युवाओं के साथ जेजे एक्ट के बारे में सत्रः** युवाओं के साथ आयोजित सत्र में जेजे एक्ट एवं पोक्सो कानून, चाइल्ड लाईन 1098 के बारे में जानकारी दी गई।
4. **ग्राम पंचायतों की बैठकों में चाइल्ड लाईन सत्र**ः पंचायत प्रतिनिधियों को चाइल्ड लाईन 1098 के प्रति जागरूक करने के लिये ग्राम पंचायतों के साथ बैठकें की गई।
5. **स्कूलों में चाइल्ड राइट्स क्लबों की बैठकें**: पूर्व में गठित कुल 12 चाइल्ड राईट क्लबों के साथ आयोजित बैठकों में संभागियों को चाइल्ड हेल्पलाईन 1098 के माध्यम से बच्चों की सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा बाल सुरक्षा व घर, स्कूल व गांव में होने वाले किसी भी प्रकार के बाल शोषण की रोकथाम में चाइल्ड राईट क्लबों की भूमिका के बारे में बताया गया।
6. **किशोरी बालिकाओं के साथ सत्रः** सबसेन्टर स्तर पर किशोरी बालिकाओं के साथ चाइल्ड लाईन 1098 को लेकर सत्र आयोजित किये गये।इस दौरान 1098 पर डेमो कॉल भी करके बताई गई।

7. **डेमो कॉलः** सामुदायिक संगठनों की विभिन्न बैठकों व प्रशिक्षणों में 1098 की डेमो कॉल करवाकर संभागियों को 1098 की पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया गया। 457 डेमो कॉल करवायी गयी।
8. **चाइल्ड लाइन से दोस्ती सप्ताहः–** पंचायत स्तर चाइल्ड लाइन से दोस्ती कार्यक्रम किया गया। उसमें 545 बच्चों ने भाग लिया उसमें 1098 की विशेष जानकारी दी गई व बाल अधिकार के बारें में बताया गया।
9. **किशोर मंच के साथ बैठकः–** 12 किशोर मंच के साथ बैठकें की गई, जिनमें 55 किशोरों ने भाग लिया और अपने विचार रखे और विकास के बारें में बातचीत की गई।
10. **चाइल्ड लाईन पर प्राप्त केस का विवरणः**

क्र.सं.	केस का प्रकार		संख्या
1	चिकित्सा सहायता हेतु	बच्चों के मेडिकल प्रमाण–पत्र बनाने में सहयोग किया	18
2	शोषण से मुक्ति हेतु	बाल विवाह, बाल शोषण व बाल मजदूरी	13
3	स्पोन्सरशिप हेतु	बच्चों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना, पालनहार योजना, विकलांगता पेन्शन	44
4	भावनात्मक सहयोग एवं मार्गदर्शन हेतु	स्कूल से सम्बन्धित केस	33
5	गुमशुदा बच्चे	बच्चों को उनके माता–पिता से मिलाना	3
	योग		**111**

जल, पर्यावरण एवं स्वच्छता कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी	स्पोन्सर लाभार्थी
1	स्कूलों में जल स्त्रोतों व शौचालयों का पुनर्निर्माण व मरम्मत कार्य	7		
2	ग्राम स्वास्थ्य, जल, स्वच्छता व पोषण समिति बैठकें	23		
3	शाला प्रबन्धन समितियों व बच्चों के साथ जल स्वच्छता व साफ सफाई के प्रति व्यवहारगत परिवर्तन हेतु बैठकें	52		

1. **स्कूलों में जल स्त्रोतों व शौचालयों का पुनर्निर्माण व मरम्मत कार्य**– कुल 7 स्कूलों में शौचालय मरम्मत व जल स्त्रोतों के रखरखाव आदि का कार्य करवाया गया। शौचालयों की मरम्मत होने से बालिकाओं का स्कूल में ठहराव भी होने लगा है। पहले बालिका आधी छुट्टी के बाद घर चली जाती थी। पहले शौचालय खुले में था शौचालय की साफ सफाई का भी विशेष ध्यान रखने को कहा गया। पहले बच्चे कुंड से पानी निकाल कर पीते थे। अब बच्चों को स्वच्छ पानी टंकी से पीने को मिल रहा हैं और पानी पीते समय कपड़े व पैर भी खराब नहीं होते।

2. **ग्राम स्वास्थ्य, जल, स्वच्छता व पोषण समिति बैठकें–** जल, स्वच्छता व साफ सफाई को लेकर गांव की कार्य योजना तैयार करने के लिये ग्राम स्वास्थ्य, जल, स्वच्छता व पोषण समिति की बैठकें आयोजित की गई। बैठकों में समितियों के सदस्यों के कार्यों व दायित्वों के बारे में जानकारी दी गई। सदस्यों ने अपने गांव के स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, जल स्त्रोतों के रखरखाव व गलियों की साफ सफाई आदि कार्य योजना तैयार की।

3. **शाला प्रबन्धन समितियों व बच्चों के साथ जल स्वच्छता व साफ सफाई के प्रति व्यवहारगत परिवर्तन हेतु बैठकें–** गांव के जल संरक्षण के परम्परागत स्त्रोतों की पहचान, रैली व संगोष्ठियां आयोजित करके समुदाय को जल संरक्षण, परम्परागत जल स्त्रोतों की देखभाल के लिये जागरूक किया गया।

सेन्टर फोर एनवायरनमेंटल एज्यूकेशन (सीईई) कार्यक्रम – प्रज्वला वाश

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1	जल, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर की गई गतिविधियां	12	1233
2	यूनिसेफ़ 'रेड डॉट कंपेन' (माहवारी स्वच्छता दिवस, 28 मई)	6	19
3	5 जून 2020 को विश्व पर्यावरण दिवस	9	45
4	ऑनलाइन स्माइल ग्रुप में वॉश से सम्बन्धित गतिविधियां	6	35

जल, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर की गई गतिविधियां– उरमूल सीमान्त समिति, यूनिसेफ, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के तत्वावधान में सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एजुकेशन (सीईई) के सहयोग से बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर व हनुमानगढ़ जिलों के 12 केजीबीवी में संचालित प्रज्वला वाश कार्यक्रम का उद्देश्य जल, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर बालिकाओं, अध्यापिकाओं व अन्य स्टाफ को जागरूक करना व उनके व्यवहार में परिवर्तन लाना है। इस कार्यक्रम के तहत केजीबीवी में माह सितम्बर 2019 से फरवरी 2020 तक नियमित विजिट की गई, लेकिन मार्च 2020 में कोविड–19 के चलते सभी केजीबीवि में विजिट नहीं की जा सकी। परन्तु इस वैश्विक माहमारी काल में ऑनलाइन होने के कारण हम केजीबीवि की अध्यपिकाओ के माध्यम से बालिकाओ से सम्पर्क कर समय–समय पर गतिविधियो का संचालन कर रहे हैं।

सभी विद्यार्थियों के साथ की गई गतिविधियाँ –

- जल, स्वास्थ्य व स्वच्छता का मानचित्र बनाना एवं समीक्षा करना
- जल व टिकाऊ विकास को समझना
- बाल संसद व किशोरी बालिका समूहों का गठन
- जल परीक्षण किट का वितरण व जल परीक्षण
- विश्व हाथ धुलाई दिवस का आयोजन
- कचरा प्रबंधन – कचरा एकत्रित करना, पृथकीकरण व निस्तारण प्रकिया को समझना
- सूखे कचरे का पुनः उपयोग
- कचरे से कंचन
- स्वच्छता का मूल्यांकन
- संतुलित आहार
- भोजन सम्बन्धित शिष्टाचार
- व्यक्तिगत स्वच्छता सम्बन्धित गतिविधि
- मई माह में ऑनलाइन 6 स्माइल ग्रुप से जुड़े

कोविड–19 के दौरान हुए कार्य

क्र. सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी	स्पोन्सर्ड लाभार्थी
1	सूखा राशन वितरण (स्पोन्सर्ड व नॉन स्पोन्सर्ड परिवार)	3632	18160	7585
2	हाईजिन किट वितरण (समुदाय)	3632	8263	7585
3	हाईजिन किट वितरण (आंगनबाडी कार्यकर्ता व आशा सहयोगिनी)	185	185	0
4	पीपीई किट(एएनएम व डॉक्टर्स)	30	30	0
5	जागरूकता अभियान	70	164925	9432
6	सरकार द्वारा संचालित कोरन्टाइन सेन्टरों पर राहत सामग्री वितरण	5	2094	0

1. **सूखा राशन वितरण (स्पोन्सर्ड व नॉन स्पोन्सर्ड परिवार)**– संस्था के कार्यक्षेत्र में जिन परिवारों का रोजगार बूरी तरह प्रभावित हो गया, उनके लिये संस्था द्वारा सूखे राशन किट वितरित किये गये। प्लान परियोजना के सहयोग से 1652, चाइल्ड लाईन के सहयोग से 5, अजीम प्रेमजी के सहयोग से 1800 व भामाशाहों के सहयोग से 175 परिवारों कुल 3632 परिवारों को राशन किट वितरित किये गये।
2. **हाईजिन किट वितरण (समुदाय)**– कोविड के चलते समुदाय में हाईजिन के प्रति व्यवहारगत परिवर्तन के लिये 3632 परिवारों को साबुन, मास्क व दस्ताने वितरित किये गये और नियमित रूप साफ सफाई की आदत अपनाने के लिये प्रेरित किया गया।
3. **हाईजिन किट वितरण (आंगनबाडी कार्यकर्ता व आशा सहयोगिनी)**– गांव में समुदाय को हर क्षेत्र में जागरूक करने व सहयोग करने के लिये आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व आशा सहयोगिनी की भूमिका महत्वपूर्ण रहती है। कोविड–19 महामारी के इस बुरे दौर में कार्य करने वाली इन दोनों को संस्था द्वारा हाइजिन किट वितरित किये गये।
4. **पीपीई किट (एएनएम व डॉक्टर्स)**– गांवों में दिन रात समुदाय को स्वास्थ्य सेवायें देने वाले ब्लॉक के सामुदायिक स्वासथ्य केन्द्रों व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों व उप स्वास्थ्य केन्द्रों के 5 डॉक्टर्स व 25 एएनएम को संस्था द्वारा पीपीई किट दिये गये ताकि वे लोगों को सेवायेंद`ने के दौरान अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।
5. **जागरूकता अभियान**– कोरोना महामारी के चलते इस वायरस ने पूरे विश्व के लोगों के जीवन को बूरी तरह प्रभावित किया है। रात दिन रोजी–रोटी के लिए भागदौड़ करने वाले शहर, गांव, कस्बे, ढाणियां पूरी तरह रूक गये हैं। इस विकट परिस्थिति में उरमूल सीमान्त समिति ने कोरोना महामारी के चलते जनवरी 2020 से ही लोगों को जागरूक करने का कार्य शुरू कर दिया था। इसमें हमने 150 गांवों के 25000 से अधिक लोगों को जानकारी दी। जागरूकता अभियान के दौरान परिवारों से फोन पर नियमित सम्पर्क, पोस्टर्स, पेम्फलेट्स व हॉर्डिंग आदि के माध्यम से कोरोना के लक्षण व इससे बचने के उपाय, आवश्यक सावधानियां बरतने जैसे कम से कम 2 मीटर की दूरी, चेहरे पर मास्क पहने रखने, दिन में बार बार साबुन से अच्छी तरह कम से कम 20 सेकण्ड तक हाथ धोते रहने, सेनेटाइजर का उपयोग आदि के बारे में जागरूक किया गया।
6. **सरकार द्वारा संचालित कोरन्टाइन सेन्टरों पर राहत सामग्री वितरण**– बज्जू व परियोजना क्षेत्र में संचालित कोरन्टाइन सेन्टरों पर प्रवासी मजदूरों के कुल 349 परिवारों के लिये संस्था द्वारा राहत सामग्री की व्यवस्था अपने स्तर पर की गई। सामग्री में मुख्य रूप से कंघी, आइना, टूथपेस्ट, ब्रुश, नहाने व कपड़े धोने के साबुन, हेयर ऑयल, सेनेटाइजर, मास्क, छोटे बच्चों के कपड़े, नेलकटर, चप्पलें आदि थे।

नेशनल लेवल मॉनिटरिंग

1. **रेगूलर मॉनिटरिंग (चरण प्रथम)**– माह सितम्बर 2019 में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के रेगूलर मॉनिटरिंग कार्य के प्रथम चरण की मॉनिटरिंग का कार्य मध्यप्रदेश के डिण्डौरी, उमरिया, पन्ना, कटनी, दमोह व जबलपुर जिलों में किया गया।

   इसके अन्तर्गत भारत सरकार के ग्रामीण विकास मन्त्रालय द्वारा संचालित विभिन्न राष्ट्रीय योजनाओं जैसे मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई), राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम (पेन्शन योजनायें), प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना– वाटरशैड यूनिट (पीएमकेएसवाई), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई), डिजिटल इण्डिया लैण्ड रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन प्रोजेक्ट (डीआईएलआरएमपी) एवं पंचायतीराज मंत्रालय की ग्राम पंचायतों आदि की मॉनिटरिंग का कार्य किया गया।

2. **विशेष मॉनिटरिंग कार्य (ग्राम पंचायत विकास योजना)** इसके अलावा माह दिसम्बर 2019 में मंत्रालय द्वारा ''सबकी योजना सबका विकास'' के तहत् जन योजना अभियान की स्पेशल मॉनिटरिंग के कार्य का जिम्मा संस्था को दिया। इसके तहत् गुजरात के मेहसाना, आणद, गांधीनगर, खेड़ा, पंचमहल व साबरकांठा जिलों में भारत सरकार द्वारा 2 अक्टूबर 2019 से 31 दिसम्बर 2019 तक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 150वें जन्मदिवस के अवसर पर वित्तीय वर्ष 2019–20 के लिये ग्राम पंचायतों में विशेष ग्रामसभायें आयोजित करके जन भागीदारी से ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने व इसके प्रचार प्रसार करने का लक्ष्य, राज्यों को दिया था। इस मॉनिटरिंग में मुख्य रूप से सभी 29 विभागों के फ्रन्टलाईन वर्करों की नियुक्ति, ग्राम पंचायत स्तर पर फेसिलिटेटर की नियुक्ति, मिशन अन्त्योदय सर्वे व विशेष ग्राम सभाओं के आयोजन की मॉनिटरिंग की गई।

3. **रेगूलर मॉनिटरिंग (द्वितीय चरण)** माह फरवरी 2020 में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के रेगूलर मॉनिटरिंग कार्य के प्रथम चरण की मॉनिटरिंग का कार्य उत्तरप्रदेश राज्य के आजमगढ, जौनपुर, मिर्जापुर, संत रविदासनगर, सोनभद्र एवं वाराणसी जिलों में किया गया।

   इसके अन्तर्गत भारत सरकार के ग्रामीण विकास मन्त्रालय द्वारा संचालित विभिन्न राष्ट्रीय योजनाओं जैसे मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई), राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम (पेन्शन योजनायें), प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना– वाटरशैड यूनिट (पीएमकेएसवाई), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई), डिजिटल इण्डिया लैण्ड रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन प्रोजेक्ट (डीआईएलआरएमपी) एवं पंचायतीराज मंत्रालय की ग्राम पंचायतों आदि की मॉनिटरिंग का कार्य किया गया।

स्पोन्सरशिप कार्यक्रम

कम्यूनिकेशन का प्रकार	अप्रेल 2019			मई 2019			जून 2019		
	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष
स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	125	124	1	34	33	1	308	301	7
स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	3	3	0	130	130	0	100	100	0
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	4	4	0	6	6	0	1	1	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	3	3	0	2	2	0	0	0	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0	18	18	0	0	0	0
स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0	14	14	0	0	0	0
फेयरवैल लेटर	24	24	0	21	21	0	0	0	0
ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	125	125	0	12	12	0	75	75	0
कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	20	20	0	24	24	0	0	0	0
ई–मेल कम्यूकेशन	0	0	0	0	0	0	0	0	0
डिजीटल वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	2	2	0	0	0	0	46	46	0
डिजीटल फेयरवैल लेटर	12	12	0	13	13	0	0	0	0
डिजीटल ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	0	0	0	0	0	0	0	0	0
डिजीटलमिक्स कम्यूकेशन	6	6	0	5	5	0	0	0	0
डिजीटल स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0	9	9	0	0	0	0
कुल	**324**	**323**	**1**	**288**	**287**	**1**	**530**	**523**	**7**
निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**36**			**0**			**0**		

कम्यूनिकेशन का प्रकार	जुलाई 2019			अगस्त 2019			सितम्बर 2019		
	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष
स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	393	378	15	244	230	14	101	94	7
स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	36	33	3	23	20	3	5	5	0
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	2	2	0	0	0	0	4	4	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	4	4	0	2	2	0	1	1	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0	0	0	0	0	0	0
स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0	0	0	0	0	0	0
फेयरवैल लेटर	0	0	0	99	99	0	29	29	0
ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	33	33	0	89	89	0	54	54	0
कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0	92	92	0	33	33	0
ई–मेल कम्यूकेशन	0	0	0	0	0	0	4	4	0
डिजीटल वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	171	171	0	2	2	0	4	4	0
डिजीटल फेयरवैल लेटर	0	0	0	28	28	0	11	11	0
डिजीटल ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	0	0	0	0	0	0	0	0	0
डिजीटलमिक्स कम्यूकेशन	0	0	0	0	0	0	2	2	0
डिजीटल स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	9	9	0	0	0	0	13	13	0
कुल	**648**	**630**	**18**	**579**	**562**	**17**	**261**	**254**	**7**
निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**158**			**44**			**42**		

कम्यूनिकेशन का प्रकार	अक्टूबर 2019			नवम्बर 2019			दिसम्बर 2019		
	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष
स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	165	159	6	28	27	1	66	64	2
स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	10	10	0	200	200	0	2	2	0
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	1	1	0	0	0	0	0	0	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	11	11	0	3	3	0	11	11	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0	0	0	0	31	31	0
स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0	0	0	0	56	56	0
फेयरवैल लेटर	26	26	0	11	11	0	9	9	0
ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	10	10	0	31	31	0	111	111	0
कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	25	25	0	14	14	0	7	7	0
ई–मेल कम्यूकेशन	0	0	0	0	0	0	3	3	0
डिजीटल वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	25	25	0	8	8	0	195	195	0
डिजीटल फेयरवैल लेटर	4	4	0	5	5	0	2	2	0
डिजीटल ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	0	0	0	0	0	0	0	0	0
डिजीटलमिक्स कम्यूकेशन	0	0	0	0	0	0	1	1	0
डिजीटल स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	10	10	0	0	0	0	34	34	0
कुल	**287**	**281**	**6**	**300**	**299**	**1**	**528**	**526**	**2**
निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**21**			**14**			**22**		

कम्यूनिकेशन का प्रकार	जनवरी 2020			फरवरी 2020			मार्च 2020		
	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष	कुल	प्राप्त	शेष
स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	1	79	2	143	141	2	13	13	0
स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	5	5	0	9	9	0	0	0	0
वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	3	3	0	0	0	0	4	4	0
नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	0	0	0	3	3	0	0	0	0
स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0	7	7	0	27	27	0
स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0	5	5	0	39	39	0
फेयरवैल लेटर	9	9	0	6	6	0	12	12	0
ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	114	114	0	78	78	0	54	54	0
कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	11	11	0	0	0	0	38	38	0
ई–मेल कम्यूकेशन	1	1	0	0	0	0	0	0	0
डिजीटल वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	4	4	0	9	9	0	29	29	0
डिजीटल फेयरवैल लेटर	7	7	0	22	22	0	19	19	0
डिजीटल ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	47	47	0	90	90	0	48	48	0
डिजीटलमिक्स कम्यूकेशन	0	0	0	0	0	0	0	0	0
डिजीटल स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	6	6	0	15	15	0	44	44	0
कुल	**288**	**286**	**2**	**387**	**385**	**2**	**327**	**327**	**0**
निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**21**			**42**			**0**		

विशेष विवरण–

- 10 साल बाद (2019–2020) प्लान परियोजना क्षेत्र के 11 गांवों से 414 नये बच्चों का चयन स्पोन्सरशिप के लिये किया गया।
- कोविड–19 के कारण अप्रेल 2020 से जून 2020 तक के सारे कम्यूनिकेशन स्थगित कर दिये गये है। कोराना महामारी का असर कम होने के बाद फील्ड में ये कम्यूनिकेशन किये जा सकेंगे।

वित्तीय विवरण

INCOME & EXPENDITURE

FOR THE PERIOD APRIL 2019 TO MARCH 2020

EXPENDITURE	EXPENSES	INCOME	RECEIPT
RJ 07 C 2097 Jeep Expenses	45,278.00	RJ 07 C 2097 Jeep Receipt	90,179.00
RJ 07 E0066 Ambulance Exp.	147,109.00	RJ 07 E0066 Ambulance Receipt	157,280.00
RJ 07 UA 0064 TATA Sumo Exp.	32,132.00	RJ 07 UA 0064 TATA Sumo Receipt	-
Vehicle Expenses (Total)	**224,519.00**	**Vehicle Receipt (Total)**	**247,459.00**
Bank Charge & Interest Paid	2,724.00	Interest Received	325,444.00
Light & Water Expenses	350,951.00	Light & Water Receipt	484,516.00
Telephone Expenses	26,900.00	Telephone Receipt	3,800.00
Residence & Bedding Expenses	385,277.00	Residence & Bedding Receipt	183,483.00
Mess Expenses	1,696,514.00	Mess Receipt	1,089,013.00
RKCL Programme Expenses	28,650.00	RKCL Programme Receipt	37,800.00
Urmul School Expenses	235,296.00	Urmul School Receipt	99,216.00
Travelling expenses (Local)	283,268.00	Travelling Receipt	161,941.00
Resource person & Consultancy Payment	116,895.00	Resource person Receipt	684,000.00
Insurance Staff & Assets	16,496.00	Office Rent Receipt	14,400.00
Office Expenses	73,642.00	E- wastage Receipt	600.00
Legal Fees	132,500.00		
Generator Expenses	16,386.00		
Other Expenses (Total)	**3,365,499.00**	**Other Receipt (Total)**	**3,084,213.00**
Grand Total Expenses	**3,590,018.00**	**Grand Total Income**	**3,331,672.00**
Excess Of Income over Expenditure		***Excess Of Expenditure Over Income***	**258,346.00**

PROJECT GRANT RECEIPT & EXPENDITURE

FOR THE PERIOD APRIL 2019 TO MARCH 2020

S.No.	Name of Project / Agency	Recoverable Project Grant as on 1.04.2019	Unspent / Project Grant as on 1.04.2019	Grant Received During the Period	Expenditure During the Period	Recoverable Project Grant as on 31.03.2020	Unspent Project Grant as on 31.03.2020
1	ICDS Project	23,133.29	-	7,537,000.00	8,482,187.00	968,320.29	-
2	National Level Monitoring (MORD)	985,859.00	-	1,141,610.00	810,426.00	654,675.00	-
3	Child line India Foundation	-	6,727.00	754,750.00	365,891.00	-	395,586.00
4	Plan International India Chapter	-	557,482.00	10,940,915.00	10,760,424.00	-	737,973.00
5	Urmul Rural Health Research and Development Trust, Bikaner	-	33,072.00	347,115.00	352,552.00	-	27,635.00
6	Centre for Environment Education (CEE)	-	-	475,987.00	341,116.00	-	134,871.00
7	Prajwala Project	-	-	395,850.00	641,798.00	245,948.00	-
8	Sahjeevan Project	-	-	1,169,999.00	1,125,338.00	-	44,661.00
	Total	**1,008,992.29**	**597,281.00**	**22,763,226.00**	**22,879,732.00**	**1,868,943.29**	**1,340,726.00**